दांव पर न लगे विरासत

चांदनी चौक का संरक्षण जरूरी

पत्रिका ब्यूरो

नई दिल्ली, 18 जनवरी। बदलते वक्त के साथ मौजूदा जरूरतों के मुताबिक बुनियादी ढांचे में बदलाव होना चाहिए लेकिन इसके लिए विरासत को दांव पर लगाने की जरूरत नहीं है। गंगा-जमुनी तहजीब को बरसों से अपने में समेटे आज के चांदनी चौक और पहले के शाहजहांनाबाद भारतीय सांस्कृतिक परम्परा की अमूल्य धरोहर है। इनकी पहचान को अक्षुण्ण रखते हुए इसका समुचित विकास होना चाहिए। यह सोच दिल्ली व आसपास के स्कूली बच्चों की है जिसने भविष्य के चांदनी चौक को लेकर अपने निबंध व डिजाइन सम्बंधी अवधारणा पत्र में इसे दर्शाया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की पहल पर बेन्टले इन्फ्रास्ट्रक्चर समूह की ओर से सोमवार को एक समारोह में फ्यूचर सिटीज इण्डिया 2020 नामक छात्र डिजाइन प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की गई। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने विजेता स्कूलों को सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले साकेत स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल को प्रमाण पत्र व एक लाख रुपए नकद दिए गए जबकि दूसरे स्थान के लिए मानव भारती स्कूल की टीम को पचास हजार रुपए दिए गए। इसके अलावा तीन अन्य स्कूलों को विभिन्न श्रेणियों में सांत्वना पुरस्कार दिया गया। लगातार चौथे साल आयोजित की जा रही यह प्रतियोगिता इस बार चांदनी चौक पर केन्द्रित थी। इससे पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के भविष्य के स्वरूप और राष्ट्रमण्डल खेलों के बाद की दिल्ली पर अपनी सोच दर्शाने के लिए विभिन्न स्कूलों से प्रविष्टियां मंगाई गई थी।

दूसरे शहरों में हो यह प्रतियोगिता

इस तरह की प्रतियोगिता का दूसरे शहरों में विस्तार किया जाना चाहिए। साथ ही इसमें दूसरे मंत्रालयों एचआरडी और शहरी विकास को सम्बद्ध किया जाना चाहिए। इसके जरिए न केवल भविष्य के शहरों का बेहतर बुनियादी ढांचा तैयार किया जा सकेगा बल्कि बच्चों की डिजाइन दक्षता और भविष्य के प्रति उसकी सोच को निखारने में मदद मिलेगी।

- कपिल सिब्बल,
केन्द्रीय मंत्री, मानव संसाधन विकास

Rajasthan Patrika_January_19_2010_A.jpg